02 / 02 / 76 की अव्यक्त वाणी

पर आधारित योग अनुभूति

ज्वाला-स्वरूप का पुरुषार्थ करने का अनुभव

➢➢ मैं ब्रह्मा मुख-वंशावली ब्राह्मण हूँ..

➳ _ ➳ मैं भाग्यवान ब्राह्मण आत्मा

→ परमात्म पालना

→ परमात्म शिक्षाओं

→ परमात्म वरदानों में

◆ पल रही हूँ

➳ _ ➳ रोज अमृतवेले के समय

→ मीठे बाबा की गोदी में बैठ

◆ अमृत का पान कर

● श्रेष्ठ और सम्पन्न

● बन रही हूँ

➳ _ ➳ वरदाता बाप से

→ सर्व खजानों और वरदानों

→ को पाकर

◆ महादानी, वरदानी

● बन रही हूँ

➳ _ ➳ मैं शक्तिशाली आत्मा

→ ज्वाला रूपी किरणों को

◆ ग्रहण कर

● ज्वालास्वरुप आत्मा

● बन रही हूँ

➢➢ मैं ज्वालास्वरुप आत्मा

➳ _ ➳ विश्व कल्याणकारी बन

→ नई दुनिया के

→ स्थापना के कार्य में

◆ बापदादा की

● सहयोगी

● बन रही हूँ

➳ _ ➳ अपने ज्वालारूप से

→ विनाशज्वाला को

◆ प्रज्वलित

• कर रही हूँ

➳ _ ➳ अपनी शुभ भावनाओं से

→ रॉयल रूप की कामनाओं को

◆ समाप्त कर

• सिद्धि स्वरुप

• बन रही हूँ

➳ _ ➳ मैं शिव शक्ति

→ वरदान, शक्तियां

→ और हिम्मत देकर

◆ भक्तों की मनोकामनाओं को

• पूर्ण कर रही हूँ

➳ _ ➳ अपने रूहानी शान से

→ परेशान आत्माओं को

◆ शांति और चैन का

• वरदान दे रही हूँ

➳ _ ➳ प्रेरक बन

→ यादवों को

◆ विश्व परिवर्तन के कार्य में

• प्रेरणा दे रही हूँ